लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक भास्कर
दिनांक 21.11.2019 पृष्ठ सं. 4 कॉलम 3-6

एचएयू ने यूनिवर्सिटी ऑफ गल्फ ऑनटेरियो से किया अनुबंध

कनाडियन रिर्सच इंस्टीट्यूट फॉर फूड सेफ्टी व गल्फ फूड इनोवेशन के साथ काम करने का भी मिलेगा मौका

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और यूनिवर्सिटी ऑफ गल्फ, ऑनटेरियो, कनाडा के बीच अंतरराष्ट्रीय अनुबंध पर हस्ताक्षर हुए। इस अनुबंध के अनुसार दोनों संस्थान शिक्षा व कृषि विश्वविद्यालय के प्रमुख अनुसंधानों में एक-दूसरे का सहयोग करेंगे।

कुलपति प्रो. केपी सिंह की उपस्थिति में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. एमएस सिद्धपुरिया और कनाडा की युनिवर्सिटी ऑफ गल्फ ऑनटेरियो के उपाध्यक्ष डॉ. मेलकम कैमबेल ने इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। कनाडा विश्वविद्यालय से बायोमेडिकल साइंसेज के प्रोफेसर डॉ. पवनीश मदान भी उपस्थित रहे। इस मौके पर कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने अंतरराष्ट्रीय स्तर की शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा मिलने के लिए उच्चतम विश्वविद्यालयों के साथ

एचएयू के कुलपति प्रो. केपी सिंह की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन के साथ अधिकारी।

सहयोग की प्रक्रिया शुरू की है। इस प्रकार के समझौता ज्ञापनों के तहत हम आपसी हित के क्षेत्रों की पहचान करके आगे बढ़ रहे हैं। इस अनुबंध के पश्चात मिलकर अनुसंधान कार्य करने के अतिरिक्त इन विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों तथा शोधार्थियों के आदान-प्रदान, वैज्ञानिक संगोष्ठियों व शैक्षणिक बैठकों में भाग लेने, शैक्षणिक सूचनाओं के लेन-देन आदि का मार्ग प्रशस्त हो जाएगा।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम अमर उजाला
दिनांक 29.11.2019 पृष्ठ सं 2 कॉलम 6-8

हकृवि ने कनाडा के विवि से किया अनुबंध

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और यूनिवर्सिटी ऑफ गल्फ, ऑनटेरियो, कनाडा के बीच वीरवार को अंतरराष्ट्रीय अनुबंध पर हस्ताक्षर हुए। इस अनुबंध के अनुसार दोनों संस्थान शिक्षा व कृषि विश्वविद्यालय के प्रमुख अनुसंधानों में एक-दूसरे का सहयोग करेंगे।

कुलपति प्रो. केपी सिंह की उपस्थिति में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक, डॉ. एमएस सिद्धपुरिया और यूनिवर्सिटी ऑफ गल्फ, ऑनटेरियो, कनाडा के उपाध्यक्ष डॉ. मेलकम कैमबेल ने इस समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। कनाडा विश्वविद्यालय से बायोमेडिकल साइंसिस के प्रो. डॉ. पवनिश मदान भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने अंतरराष्ट्रीय स्तर की शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा मिलने के लिए उच्चतम विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग की प्रक्रिया शुरू की हुई है। इस प्रकार के समझौता ज्ञापनों के तहत हम आपसी हित के क्षेत्रों की पहचान करके आगे बढ़ रहे हैं। इस अनुबंध के बाद मिलकर अनुसंधान कार्य करने के साथ-साथ इन विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों तथा शोधार्थियों के आदान-प्रदान, वैज्ञानिक संगोष्ठियों व शैक्षणिक बैठकों में भाग लेने, शैक्षणिक सूचनाओं के लेन-देन आदि का मार्ग प्रशस्त हो जाएगा।

एचएयू और कनाडा की यूनिवर्सिटी ऑफ गल्फ, ऑनटेरियो के बीच अंतरराष्ट्रीय अनुबंध के दौरान उपस्थित अधिकारी। - अमर उजाला

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम पंजाब केसरी
दिनांक 29.11.2019 पृष्ठ सं 2 कॉलम 4-5

हकृवि ने कनाडा के विश्वविद्यालय से किया अनुबंध

हिसार, 28 नवम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और यूनिवर्सिटी ऑफ गल्फ, ऑनटेरियो, कनाडा के बीच अंतर्राष्ट्रीय अनुबंध पर हस्ताक्षर हुए। इस अनुबंध के अनुसार दोनों संस्थान शिक्षा व कृषि विश्वविद्यालय के प्रमुख अनुसंधानों में एक-दूसरे का सहयोग करेंगे। कुलपति, प्रो. के.पी. सिंह की उपस्थिति में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक, डा. एम.एस. सिद्धपुरिया और यूनिवर्सिटी ऑफ गल्फ, ऑनटेरियो, कनाडा के उपाध्यक्ष डा. मेलकम कैमबेल ने इस समझौता ज्ञापन (एम.ओ.यू.) पर हस्ताक्षर किए। कनाडा विश्वविद्यालय से बायोमैडीकल साइंसिस के प्रो. डा. पवनिश मदान भी उपस्थित थे। इस अवसर पर कुलपति, प्रो. के.पी. सिंह ने कहा कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर की शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा मिलने के लिए उच्चतम विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग की प्रक्रिया शुरू की हुई है। इस प्रकार के समझौता ज्ञापनों के तहत हम आपसी हित के क्षेत्रों की पहचान करके आगे बढ़ रहे हैं।

इस दौरान अनुसंधान निदेशक डा. एस.के. सहरावत ने विश्वविद्यालय की गतिविधियों के बारे में विस्तार से बताया। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक, डा. एम.एस. सिद्धपुरिया ने बताया कि हकृवि को इस एम.ओ.यू. से कनाडियन रिसर्च इंस्टीट्यूट फार फूड सेफ्टी व गल्फ फूड इन्नोवेशन के साथ काम करने के अवसर भी प्रदान होंगे।

कुलपति, प्रो. के.पी. सिंह की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन के साथ अधिकारीगण।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण
दिनांक 29.11.2019 पृष्ठ सं 17 कॉलम 3-6

यूनिवर्सिटी ऑफ गल्फ के साथ एचएयू का अनुबंध

अनुसंधान गतिविधियों को मिलेगा बढ़ावा

कुलपति प्रो. केपी सिंह की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन के साथ अधिकारीगण। • जागरण

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और यूनिवर्सिटी ऑफ गल्फ, ऑनटेरियो, कनाडा के बीच अंतरराष्ट्रीय अनुबंध पर हस्ताक्षर हुए। इस अनुबंध के अनुसार दोनों संस्थान शिक्षा व कृषि विश्वविद्यालय के प्रमुख अनुसंधानों में एक-दूसरे का सहयोग करेंगे। कुलपति, प्रो. केपी सिंह की उपस्थिति में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक, डा. एमएस सिद्धपुरिया और यूनिवर्सिटी ऑफ गल्फ, ऑनटेरियो, कनाडा के उपाध्यक्ष डा. मेलकम कैमबेल ने इस समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। कनाडा विश्वविद्यालय से बायोमैडिकल साईंसिस के प्रो. डा. पवनिश मदान भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर कुलपति, प्रो. केपी सिंह ने कहा कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने अंतरराष्ट्रीय स्तर की शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा मिलने के लिए उच्चतम विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग की प्रक्रिया शुरू की हुई है। इस प्रकार के समझौता ज्ञापनों के तहत हम आपसी हित के क्षेत्रों की पहचान करके आगे बढ़ रहे हैं। इस अनुबंध के पश्चात मिलकर अनुसंधान कार्य करने के अतिरिक्त इन विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों और शोधार्थियों के आदान-प्रदान, वैज्ञानिक संगोष्ठियों व शैक्षणिक बैठकों में भाग लेने, शैक्षणिक सूचनाओं के लेन-देन आदि का मार्ग प्रशस्त हो जाएगा।

कनाडा में 15 रिसर्च स्टेशन हैं

इस दौरान अनुसंधान निदेशक डा. एसके सहरावत ने विश्वविद्यालय की गतिविधियों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के लिए सहयोग के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्रों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यूनिवर्सिटी ऑफ गल्फ, कनाडा की नंबर वन और विश्व में कृषि विज्ञान के क्षेत्र में तीसरा स्थान रखने वाला विश्वविद्यालय है। कनाडा में इसके तीन कैंपस व 15 रिसर्च स्टेशन विभिन्न भागों में स्थित है। यह विवि कृषि के क्षेत्र जैसे फसल, बागवानी, सब्जियां, बायोमास आदि पर मुख्य रूप से अनुसंधान कार्य कर रहा है। इस एमओयू से हकृवि के विद्यार्थियों और शोधार्थियों को यूनिवर्सिटी ऑफ गल्फ, कनाडा की अनुसंधान व प्रौद्योगिकी को जानने व देखने के अवसर प्रदान होंगे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम हरि. भूमि
दिनांक 29.11.2019 पृष्ठ सं. 12 कॉलम 7-8

हकृवि ने यूनिवर्सिटी ऑफ गल्फ से किया अनुबंध

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हकृवि और यूनिवर्सिटी ऑफ गल्फ, ऑनटेरियो, कनाडा के बीच अंतरराष्ट्रीय अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। इस अनुबंध के अनुसार दोनों संस्थान शिक्षा व कृषि विश्वविद्यालय के प्रमुख अनुसंधानों में एक-दूसरे का सहयोग करेंगे। कुलपति, प्रो. केपी सिंह की उपस्थिति में हकृवि की ओर से मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक, डॉ. एमएस सिद्धपुरिया और युनिवर्सिटी ऑफ गल्फ, ऑनटेरियो, कनाडा के उपाध्यक्ष डॉ. मेलकम कैमबेल ने इस समझौता ज्ञापन एमओयू पर हस्ताक्षर किए। कनाडा विश्वविद्यालय से बायोमैडिकल साईसिस के प्रो. डॉ. पवनिश मदान भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर कुलपति, प्रो. केपी सिंह ने कहा कि हकृवि ने अंतरराष्ट्रीय स्तर की शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा मिलने के लिए उच्चतम विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग की प्रक्रिया शुरू की हुई है। इस अनुबंध के पश्चात मिलकर अनुसंधान कार्य करने के अतिरिक्त इन विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों तथा शोधार्थियों के आदान-प्रदान, वैज्ञानिक संगोष्ठियों व शैक्षणिक बैठकों में भाग लेने, शैक्षणिक सूचनाओं के लेन-देन आदि का मार्ग प्रशस्त हो जाएगा।

इस दौरान अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने विश्वविद्यालय की गतिविधियों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने हकृवि के लिए सहयोग हेतु प्राथमिकता वाले क्षेत्रों पर प्रकाश डाला। उन्होनें कहा कि यूनिवर्सिटी ऑफ गल्फ, कनाडा की नंबर वन और विश्व में कृषि विज्ञान के क्षेत्र में तीसरा स्थान रखने वाला विवि है। कनाडा में इसके तीन कैंपस व पंद्रह रिर्सच सटेशन विभिन्न भागों में स्थित है। यह विश्वविद्यालय कृषि के क्षेत्र जैसे फसल, बागवानी, सब्जियां, बायोमास आदि पर मुख्य रूप से अनुसंधान कार्य कर रहा है। इस एमओयू से हकृवि के विद्यार्थियों तथा शोधार्थियो को यूनिवर्सिटी ऑफ गल्फ, कनाडा की अनुसंधान व प्रौद्योगिकी को जानने व देखने के अवसर प्रदान होगें। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक, डॉ. एमएस सिद्धपुरिया ने बताया कि हकृवि को इस एमओयू से कनाडियन रिर्सज इंस्टीटयूट फार फूड सेफ्टी व गल्फ फूड ईन्नोवेशनके साथ काम करने के अवसर भी प्रदान होंगे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण
दिनांक 29.11.2019 पृष्ठ सं 17 कॉलम 5-6

विकसित तकनीकों को लैब से निकालकर आम आदमी तक ले जाएं : प्रो. केपी सिंह

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के नवीकरणीय एवं जैव ऊर्जा विभाग में बायोमास कन्वर्जन टेक्नोलॉजी फॉर क्रॉप रेसिडुए मैनेजमेंट विषय पर स्पार्क-एमएचआरडी प्रायोजित 10 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का समापन हुआ। कार्यशाला के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह मुख्य अतिथित रहे, जबकि आइसीएआर के एकरिप, ईएएआइ परियोजना के प्रोजेक्ट कोऑर्डीनेटर डा. केसी पांडे, वशिष्ठ अतिथि थे। कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय एवं स्पार्क परियोजना के अंतरराष्ट्रीय सह-पीआई के साथ-साथ पाठयक्रम के सह-निदेशक प्रो. शहाब भी उपस्थित थे।

छात्रों ने लिया भाग

इस कार्यशाला में देश के विभिन्न संस्थानों जैसे पीएयू, लुधियाना, सीआइएई, भोपाल, एमएएनआईटी भोपाल, मक्का अनुसंधान केन्द्र लुधियाना, आइआइटी दिल्ली, सीएसएसआरआइ करनाल, जीजेयू हिसार, विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के प्रतिभागी और पीएचडी के छात्रों ने भाग लिया।

कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि वैज्ञानिकों द्वारा विकसित सभी तकनीकों को लैब से निकालकर आम आदमी तक लें जाने की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने कहा कि एचएयू फसल अवशेषों के प्रबंधन में काफी कार्य कर रहा है और हमने इन्नोवेशन सेंटर फॉर एग्री-वेस्ट मैनेजमेंट की भी स्थापना की है।

अधिकारियों व प्रतिभागियों के साथ कुलपति प्रो. केपी सिंह। • जागरण

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक भास्कर
दिनांक 29.11.2019 पृष्ठ सं 2 कॉलम 2-3

एचएयू के कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का समापन

एचएयू में आयोजित 10 दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला के समापन अवसर पर मौजूद गणमान्य।

हिसार | चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के नवीकरणीय एवं जैव ऊर्जा विभाग में 10 दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का समापन हुआ। यह कार्यशाला बायोमास कन्वर्जन टेक्नोलॉजीज फॉर क्रॉप रेसिडुए मैनेजमेंट विषय पर स्पार्क-एमएचआरडी आयोजित की गई थी। कार्यशाला के समापन पर कुलपति प्रो. केपी सिंह मुख्यातिथि रहे। आईसीएआर के एकरिप व ईएएआई परियोजना के प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर डॉ. केसी पाण्डेय विशिष्ट अतिथि रहे। कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया विवि एवं स्पार्क परियोजना के अंतरराष्ट्रीय सह-पीआई के साथ-साथ पाठ्यक्रम के सह-निदेशक प्रो. शहाब भी उपस्थित रहे। डॉ. वाईके यादव, पाठ्यक्रम निदेशक और डॉ. यादविका इस कार्यशाला के आयोजन सचिव रहे। कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि हमारा विश्वविद्यालय फसल अवशेषों के प्रबंधन में काफी कार्य कर रहा है और हमने इनोवेशन सेंटर फॉर एग्री-वेस्ट मैनेजमेंट की भी विश्वविद्यालय में स्थापना की है।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम अमर उजाला
दिनांक 29.11.2019 पृष्ठ सं 2 कॉलम 5.8

कार्यशाला

एचएयू में चल रही 10 दिवसीय कार्यशाला संपन्न

कार्यशाला में तकनीक को आम आदमी तक पहुंचाने पर दिया जोर

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के नवीकरणीय एवं जैव ऊर्जा विभाग में बायोमास कन्वर्जन टेक्नोलॉजी फॉर क्रॉप रेसिडुए मैनेजमेंट विषय पर स्पार्क-एमएचआरडी प्रायोजित 10 दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का समापन हुआ।

कार्यशाला के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह मुख्य अतिथि थे, जबकि आईसीएआर के एकरिप, ईएएआई परियोजना के प्रोजेक्ट को-ऑर्डिनेटर डॉ. केसी पांडे, विशिष्ट अतिथि थे। कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय एवं स्पार्क परियोजना के अंतरराष्ट्रीय सह-पीआई के साथ-साथ पाठ्यक्रम के सह-निदेशक प्रो. शहाब भी उपस्थित थे।

कार्यशाला के समापन पर अधिकारियों व प्रतिभागियों के साथ कुलपति केपी सिंह।

कुलपति प्रो. केपी सिंह ने वैज्ञानिकों द्वारा विकसित सभी तकनीकों को लैब से निकालकर आम आदमी तक ले जाने की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने कहा कि हमारा विश्वविद्यालय फसल अवशेषों के प्रबंधन में काफी कार्य कर रहा है और हमने इनोवेशन सेंटर फार एग्री-वेस्ट मैनेजमेंट की भी विश्वविद्यालय में स्थापना की है। अधिष्ठाता, कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी डॉ. आरके झोरड़ ने कार्यशाला के बारे में जानकारी दी।

स्पार्क प्रोजेक्ट के को पीआई व कोर्स के को-डायरेक्टर डॉ. शहाब ने पिछले 10 दिनों में हुई विभिन्न गतिविधियों के बारे में बताया। इस कार्यशाला में देश के विभिन्न संस्थानों पीएयू, लुधियाना, सीआईएई, भोपाल, एमएएनआईटी भोपाल, मक्का अनुसंधान केंद्र लुधियाना, आईआईटी दिल्ली, सीएसएसआरआई करनाल, जीजेयू हिसार, विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के प्रतिभागी और पीएचडी के छात्रों ने भाग लिया। पाठ्यक्रम निदेशक डॉ. वाईके यादव और डॉ. यादविका इस कार्यशाला के आयोजन सचिव थे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम: हरि भूमि
दिनांक 29.11.2019 पृष्ठ सं. 12 कॉलम 2-6

हकृवि में अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का समापन

तकनीकों को लैब से निकालकर किसानों तक पहुंचाएं : कुलपति

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हिसार

- बोले, फसल अवशेषों के प्रबंधन में विवि कर रहा है कार्य

हिसार। अधिकारियों व प्रतिभागियों के साथ कुलपति प्रो. केपी सिंह। फोटो : हरिभूमि

हकृवि के कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के नवीकरणीय एवं जैव ऊर्जा विभाग में बायोमास कंवर्जन टेक्नोलॉजिज फॉर क्रॉप रेसिडुए मैनेजमेंट विषय पर स्पार्क-एमएचआरडी प्रायोजित 10 दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का समापन हुआ। कार्यशाला के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह मुख्य अतिथि थे। जबकि आईसीएआर के एकरिप, ईएएआई परियोजना के प्रोजेक्ट कोऑर्डीनेटर डॉ. केसी पांडे, वरिष्ठ अतिथि थे। कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय एवं स्पार्क परियोजना के अंतरराष्ट्रीय सह-पीआई के साथ-साथ पाठ्यक्रम के सह-निदेशक प्रो. शहाब भी उपस्थित थे।

कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि वैज्ञानिकों द्वारा विकसित सभी तकनीकों को लैब से निकालकर आम आदमी तक लें जाने की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने कहा कि हमारा विश्वविद्यालय फसल अवशेषों के प्रबंधन में काफी कार्य कर रहा है और हमने इनोवेशन सैंटर फार एग्री-वेस्ट मैनेजमैंट की भी विश्वविद्यालय में स्थापना की है। उन्होंने विभाग को इस विषय पर वर्कशाप करने के लिए बधाई दी व डॉ. शहाब को यह कहते हुए अभिनंदन किया कि उनका इस क्षेत्र में बहुत योगदान और हकृवि उनकी विश्वविद्यालय के सहयोग में अच्छा कार्य करेगा।

अधिष्ठाता, कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी डॉ. आरके झोरड़ ने कार्यशाला के बारे में जानकारी दी। स्पार्क प्रोजेक्ट के कोपीआई व कोर्स के को-डायरेक्टर डॉ. शहाब ने पिछले दस दिनों में हुई विभिन्न गतिविधियों के बारे में बताया। इस कार्यशाला में युवा प्रतिभागियों ने बायोमास रूपांतरण की आधुनिक तकनीकों के बारे में ज्ञान प्राप्त किया ताकि बायोएनर्जी को अपने शोध कार्यों में इस ज्ञान को शामिल करने का प्रयास हो सके जो अंततः वायु प्रदूषण के इस खतरे से समग्र रूप से समाज को बचाने में मदद कर सके।

इस कार्यशाला में देश के विभिन्न संस्थानों जैसे पीएयू, लुधियानाा, सीआईएई, भोपाल, एमएएनआईटी भोपाल, मक्का अनुसंधान केन्द्र लुधियाना, आईआईटी दिगी, सीएसएसआरआइ करनाल, जीजेयू हिसार, विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के प्रतिभागी और पीएचडी के छात्रों ने भाग लिया। डॉ. वाई.के. यादव, पाठयक्रम निदेशक और डॉ. यादविका इस कार्यशाला के आयोजन सचिव थे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम पंजाब केसरी
दिनांक 29.11.2019 पृष्ठ सं. 2 कॉलम 1-2

कुलपति प्रो. के.पी. सिंह अधिकारियों व प्रतिभागियों के साथ।

तकनीकों को लैब से निकालकर आम आदमी तक लें जाने की जरूरत : प्रो. सिंह

हिसार, 28 नवम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलॉजी के नवीकरणीय एवं जैव ऊर्जा विभाग में बायोमास कन्वर्जन टैक्नोलोजीज फॉर क्रॉप रेसिडुए मैनेजमैंट विषय पर स्पार्क-एम.एच.आर.डी. प्रायोजित 10 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का समापन हुआ। कार्यशाला के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह मुख्य अतिथि थे। जबकि आई.सी.ए.आर. के एकरिप, ई.ए.ए.आई. परियोजना के प्रौजेक्ट को-ऑर्डिनेटर डा. के.सी. पांडे, वशिष्ठ अतिथि थे। कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय एवं स्पार्क परियोजना के अंतर्राष्ट्रीय सह-पी.आई. के साथ-साथ पाठ्यक्रम के सह-निदेशक प्रो. शहाब भी उपस्थित थे।

कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने कहा कि वैज्ञानिकों द्वारा विकसित सभी तकनीकों को लैब से निकालकर आम आदमी तक लें जाने की जरूरत है। अधिष्ठाता, कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलॉजी डॉ. आर.के. झोरड़ ने कार्यशाला के बारे में जानकारी दी। स्पार्क प्रोजैक्ट के को.पी.आई. व कोर्स के को-डायरैक्टर डॉ. शहाब ने पिछले दस दिनों में हुई विभिन्न गतिविधियों के बारे में बताया। इस कार्यशाला में देश के विभिन्न संस्थानों के प्रतिभागी और पी.एच.डी. के छात्रों ने भाग लिया।

डॉ. वाई.के. यादव, पाठ्यक्रम निदेशक और डा. यादविका इस कार्यशाला के आयोजन सचिव थे।